Rupashree Jamuar
PG IInd Sem, paper = VIIth psychopathology

मद्यपानता या मद्यपान - संबद्ध विकृति
Alcoholism or Alcohol - related Disorder

मद्यपानता एक ऐसी विकृति है जो सिर्फ पीने वाले व्यक्ति को ही प्रभावित नहीं करता है बल्कि हत्या, बलात्कार, आत्महत्या एवं मोटरगाड़ी दुर्घटना के एक प्रमुख कारण के रूप में स्वीकार किया गया है।

मद्यपानता को कई लोगों ने इसे वैज्ञानिक ढंग से परिभाषित करने का प्रयास किया है According to Carson & Butcher (1992) के अनुसार " मद्यपानता एक ऐसी अवस्था है जिसमें Alcohol पर इतनी अधिक निर्भरता बढ़ जाती है कि इसे जिन्दगी के समायोजन में बाधा पहुँचती है"

According to Sarason (1972) "मद्यपानता एक ऐसी चिरकालिक अवस्था है, जिसमें व्यक्ति शारीरिक और या दैहिक कारणों से अपने आप को इतनी अधिक मात्रा में Alcohol पीने से रोक नहीं पाता है कि इसमें उन्माद उत्पन्न न हो जाए और अन्ततः उनका स्वास्थ्य खराब न हो जाए एवं सामाजिक और व्यवसायिक क्षति न हो जाए।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती है।

1 - इसमें व्यक्ति अधिक मात्रा में अलकोहल पीता है।
2 - पीने की लत से व्यक्ति में Psychological disturbances उत्पन्न हो जाता है जिससे समायोजन संबंधी तरह - तरह की कठिनाइयाँ उत्पन्न हो जाती है।
3 - इससे व्यक्ति के सामाजिक एवं आर्थिक क्रिया-कलापों में काफी disturbances उत्पन्न हो जाती है।
4 - ऐसे लोगों को पीने पर कोई control नहीं रह पाता है।
5 - इसकी एक विशेषता यह भी है कि यह सभी तरह के उम्र एवं सामाजिक - आर्थिक स्तर के लोगों में पाया जाता है।

Scanned with CamScanner

मद्यपान का नैदानिक स्वरूप

Clinical pictures of Alcoholism

Alcoholism के कुछ विशेष लक्षण देखने को मिलते हैं जिससे इनकी पहचान आसानी से ~~की~~ कर ली जाती है। अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि

1 - Alcohol addict का higher brain centers इससे इतना अधिक प्रभावित ~~हो~~ हो जाता है इनका चिन्तन और decision making की क्षमता लगभग समाप्त हो जाती है।

2 - इनका self-control समाप्त हो जाता है।

3 - ऐसे लोगों में motor co-ordination ढीला पड़ जाता है।

4 - इनमें pain, cold आदि अन्य इसी तरह की अनुभूतियों के perception में विभेद करने की क्षमता कम हो जाती है।

5 - Drug addict या ~~Alcoholic~~ Alcoholic को पीने के बाद कुछ देर तक अतिरिक्त शक्ति, energy खुशी आदि का अनुभव होने लगता है वह unreality की दुनिया में पहुँच जाता है।

6 - इनमें किसी प्रकार का fear नहीं होता है।

7 - इनका self esteem अधिक बढ़ जाता है।

~~Psychiatrists~~ psychiatrists ने अपने अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट किया है कि addicts जिसके blood में Alcohol की मात्रा .03% होता है, इनके चिन्तन एवं भावनाओं में हल्का-फुल्का बदलाव आता है। जब यह मात्रा .06% हो जाता है तो इनमें मानसिक सुख और warmth का अनुभव करता है। .09% होने पर वह बातूनी हो जाता है और कुमार्गिक संग उत्पन्न होने लगता है। .12% होने पर व्यक्ति चाल-ढाल बैठा हो जाता है। .15% हो जाने पर वह मदहोशी की अवस्था में प्रवेश कर जाता है।

Alcoholic में sexual stimulation अधिक पाया जाता है। इनमें loss of memory भी पाया जाता है।

Scanned with CamScanner

मद्यपानता की अवस्थाएँ
Phases of Alcoholism

मद्यपानता की कई अवस्थाएँ बतलायी गयी हैं जिसका विकास क्रमिक गति से होता है। इसकी चार अवस्थाएँ होती हैं।

1 - Prealcoholic symptomatic stage
2 - Prodormal phase or early phase
3 - Crucial phase
4 - Chronic phase

1 - Prealcoholic symptomatic stage - इस अवस्था में व्यक्ति शुरु में social norms के अनुरूप खास-खास मौकों पर मद्यपान करता है और जिसके फलस्वरूप वह अपने आप को अपने तनाव और भय से मुक्त पाता है और उसे काल्पनिक आनन्द मिलता है इससे प्रेरित होकर वह और अधिक पीना प्रारम्भ कर देता है।

2 - Prodormal phase - यह दूसरी अवस्था है। इस अवस्था में पीने वाला व्यक्ति के व्यवहार में कुछ deviancy के लक्षण दिखाई देने लगते हैं इस अवस्था में व्यक्ति शराब की मात्रा को बढ़ा देता है। इसमें loss of memory, gulping drinking, guilt feeling आदि के लक्षण भी देखने को मिलते हैं।

3 - Crucial phase - इस अवस्था में व्यक्ति के मदिरापान पर से नियंत्रण हट जाता है। इस अवस्था में व्यक्ति को शराब पीने की इच्छा इतनी प्रबल हो जाती है कि उसे सामान्य सामाजिक नियमों समय तथा परिस्थिति का भी ख्याल नहीं रहता है। इसमें शराबी का physical health काफी गिर जाता है। इस अवस्था में aggressive beh, आक्रामकपूर्ण प्रतिरूप निरन्तर पश्चाताप आदि देखने को मिलता है।

4 - Chronic phase - इस अवस्था में शराबी की शुरुआत सुबह-सुबह पीने की आदत से होती है इस अवस्था में मद्यसेवी शराब को अपने जिन्दगी का एक हिस्सा मान लेता है। शराबी का physical और mental state काफी बिगड़ जाता है। इनमें Physiological tremor आदि विकसित हो जाते हैं।

Scanned with CamScanner

The Effects of Alcohol on the Body

Brain – Brain cells are altered and many die, memory formation blocked, physical coordination is impaired

Stomach and intestines – Alcohol can trigger bleeding and can cause cancer

Heart – Deterioration of heart muscle can occur

Immune system – Infection-fighting cells are prevented from functioning properly, risk of bacterial disease is increased

Reproductive system – In men hormone levels change causing lower sex drive and enlarged breasts. In women – menstrual cycles become irregular

Etiology of Alcoholism

1 – Biological factors
2 – Psychosocial factors
3 – Socio-cultural factors

1 – Biological factors : मद्यपान के रोगियों के रक्त एवं शरीर की कोशिकाएँ मद्यसार पदार्थों के साथ अनुकूलित एवं अभियोजित हो जाती है। इसका परिणाम यह होता है इन व्यक्तियों की एक शारीरिक आवश्यकता हो जाती है ऐसी अवस्था में यदि वे थोड़ी देर के लिए भी अपने आप को शराब से वंचित करते हैं तो वे बेचैन हो जाते हैं उन्हें कई तरह के शारीरिक लक्षण जैसे पसीना आना, चक्कर आना, वमन की इच्छा, विभ्रम, ऐंठन आदि देखने को मिलते हैं।

कुछ अध्ययनों से भी स्पष्ट हुआ है कि मद्यपानता आनुवंशिक रूप से काफी अधिक प्रभावित होता है। Goldman (1998) ने अपने अध्ययनों में यह पाया है कि मद्यपानी parents के बच्चों, भाई-बहनों में सामान्य लोगों की तुलना में तीन से चार गुणा मद्यपानता अधिक होती है। फिर Kendler et al (1994) ने अपने अध्ययन में पाया कि

Scanned with CamScanner

Identical twins में fraternal twins की तुलना में मद्यपानता का concordance rate अधिक था।

2 Psycho social factors :- मद्यपानता की स्थिति में न केवल दैहिक निर्भरता बल्कि रोगी मनोवैज्ञानिक निर्भरता भी विकसित कर लेता है। मनोवैज्ञानिकों ने कुछ psycho social factor को स्पष्ट किया है, जो निम्नलिखित है।

1 - Personality factors
2 - Stress, tension, reduction and Reinforcement
3 - Marital and other intimate Relationship

1 - Personality factors :- सामान्य मद्यपानी सामान्यतः Emotionally immature होते है इन्हें दुनिया से काफी उम्मीद होती है वे अन्य लोगों से अत्यधिक प्रशंसा एवं प्यार की उम्मीद करते है असफलता के प्रति तथा हीनता भावनाओं के साथ प्रतिक्रिया करते है तथा कुंठा सहनशीलता की क्षमता कम होती है जिन व्यक्तियों में मद्यपानता होने का high Risk होता है उनका व्यक्तित्व विशेषकर आक्रमकता तथा आवेगशीलता के गुणों में उन व्यक्तियों की तुलना में भिन्न होते है जिनमें मद्यपानता होने का Low risk होता है। जिन व्यक्तियों का Anti social personality होता है उन्हें Alcoholics होने की संभावना बहुत अधिक होती है।

Stress tension reduction and Reinforcement
अधिकांश अध्ययनकर्ताओं का मत है कि शराबी व्यक्ति अपने जीवन के तनावों एवं समस्याओं से ग्रस्त अनुभव करता है इसलिए वह तनाव से मुक्ति पाने के प्रयास में मद्यपान का सहारा लेने लगता है। कुछ विद्वानों का मत है कि मद्यपान करना है या नहीं यह मूलतः सम्बन्धित व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है।

Scanned with CamScanner

Alcohol से व्यक्ति में Affective changes उत्पन्न होते हैं जो उसे सुखद, प्रसन्नता लगते हैं इसलिए व्यक्ति Alcohol का प्रयोग करता है।

3 Marital and other Intimate Relationship
यदि व्यक्ति का वैवाहिक जीवन सन्तुलित नहीं है या वह अपने घनिष्ठ सम्बन्धियों के व्यवहार से दुखी या निराश है तो यह सम्भावना बनती है कि वह मद्यपान का आदती बन जाए। ऐसे लोग अपना गम दूर करने के प्रयास में Alcohol या अन्य नशीले पदार्थों का प्रयोग प्रारम्भ कर सकते हैं प्यार और दोस्ती में difference भी मद्यपान का कारण बनती है।

3 Socio-cultural factors :- मद्यपानता के क्षेत्र में किए गए अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट है कि व्यक्ति को मद्यपान व्यसनी बनने में समाज के संस्कृति का भी योगदान होता है। इसके तीन मुख्य कारक हैं जो व्यक्ति को मद्यपानता की ओर उन्मुख करते हैं

1 - समाज की संस्कृति में तनाव का सामान्य स्तर कितना है। जिन सामाजिक संस्कृतियों में असुरक्षा का स्तर अधिक होता है उनमें Alcohol पीने की उन्मुखता अधिक होती है।

2 - द्रुत सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक विघटन से भी मद्यसार के प्रति लोगों की उन्मुखता में वृद्धि होती है।

3 - सामाजिक संस्कृति द्वारा मद्यपानता के प्रति लोगों में उत्पन्न मनोवृत्ति पर भी मद्यपानता की आवृत्ति तथा प्रबलता निर्भर करती है।

अतः इस प्रकार स्पष्ट है कि मद्यपानता की कई अवस्थाएं और कारण हैं जो व्यक्ति को मद्यपानता की ओर उन्मुख करता है।